



CLASS: II

SESSION NO:1

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NUMBER: पाठ- 14

TOPIC : हमारे प्रेरणा स्रोत

SUB TOPIC: प्रस्तावना पाठ विश्लेषण तथा कठिन शब्द

CHANGING YOUR TOMORROW

शिक्षण क उद्देश्य ा

- विद्यार्थी में भाषाई कुशलता का विकास करना।
- पाठ संबंधित ज्ञान प्रदान करना।

प्रेरणा स्रोत

वह स्रोत जो हमें सर्वश्रेष्ठ करने और अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करते हैं वे ही हमारी प्रेरणा का स्रोत होते हैं।

एक व्यक्ति

एक किताब

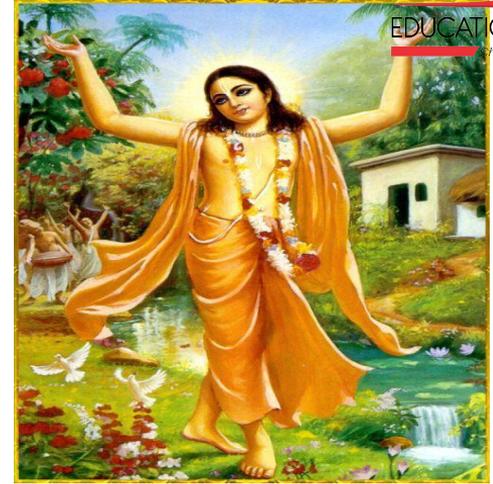
माता-पिता

एक शिक्षक

एक मशहूर हस्ती

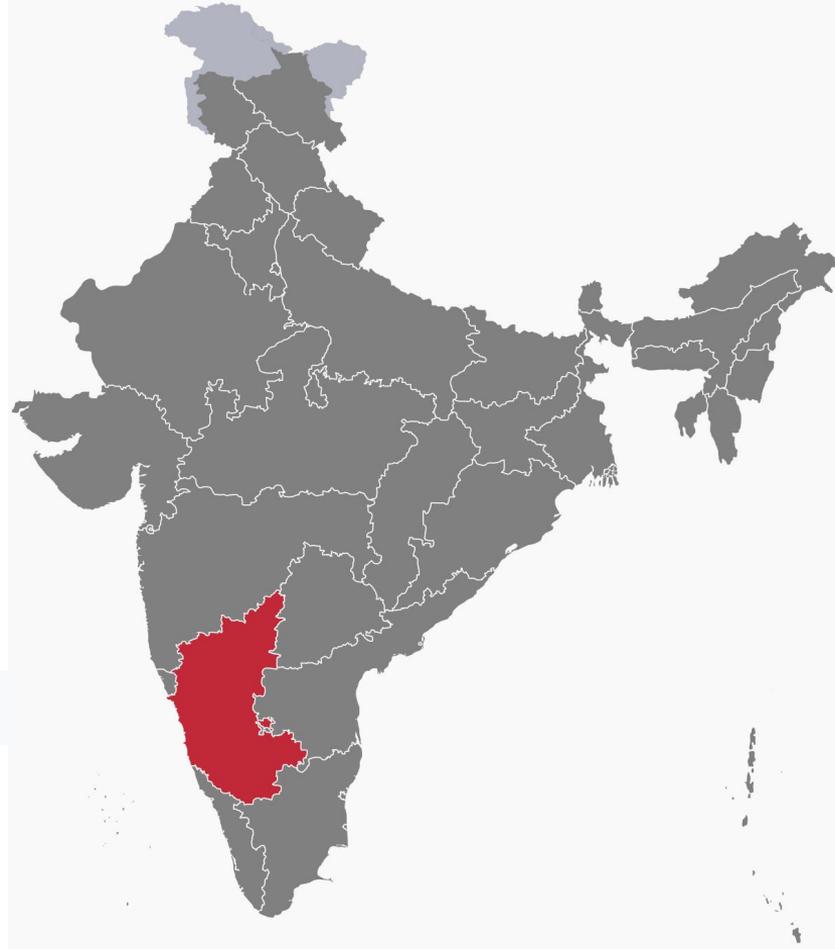
आपके सपने







कनक दास जी



राज्य — कर्नाटक

राजधानी — बेंगलुरु

भाषा — कन्नड़

पाठ- 14 हमारे प्रेरणा स्रोत

कर्नाटक पूरे भारतवर्ष में अपनी कला संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है मीराबाई तथा सूरदास की तरह ही श्री कृष्ण के भक्ति पद गाने वालों में दक्षिण के कनकदास जी प्रसिद्ध हैं। कनक दास जी ने कई गीतों तथा कीर्तनों की रचना की है, जो दक्षिण में खूब प्रसिद्ध हैं ।

कनकदास का जन्म धारवाड़ के पास बाड़ नामक ग्राम में हुआ था । उनके पिता का नाम बीरप्पा गौडा था और माता का नाम बचम्मा था । उनके बचपन का नाम 'तिमप्पा' था ।

एक बार तिमप्पा ज़मीन खोद रहे थे ,तब उन्हें सोने के कुछ सिक्के मिले ।उन्होंने उन सिक्कों से अपना ग्राम बाड़ का **उद्धार** किया । बाद में वे **कागिनेले** आए और वहाँ उन सिक्कों की मदद से उन्होंने '**आदिकेशव**' का मंदिर बनवाया। इसी कारण उनका नाम '**कनक नायक**' पड़ा ।

श्री कृष्ण के प्रति उनकी अपार श्रद्धा थी। श्री कृष्ण के बाल रूप का वर्णन उन्होंने अपनी कविताओं में किया है। उनकी कविताओं को 'कीर्तन' के नाम से जाना जाता है। उनके गुरु का नाम '**व्यासराय**' था ।कनक नायक नाम ही आगे चलकर 'कनकदास' हुआ । उनकी प्रमुख **कृतियाँ** हैं - मोहन तरंगिणी, नल चरित, रामधान्य चरित, हरिभक्ति सागर आदि ।कनक दास जी ने करीब 400 से भी ज्यादा कीर्तनों की रचना की। कनकदास जी कन्नड़ साहित्य सागर के चमकते सितारे हैं।

कठिन शब्द

कर्नाटक

प्रसिद्ध

कृतियाँ

संस्कृति

कीर्तनों

कन्नड़

साहित्य

उद्धार

भक्ति पद

श्रद्धा



गृह कार्य
कठिन शब्दों को तीन-तीन
बार कॉपी में अभ्यास करें

सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी पाठ का सस्वर वाचन करना सीखें, साथ ही पाठ संबंधित ज्ञान प्राप्त किए। इससे उनकी भाषाई क्षमता विकसित हुई

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP